१: हम पंछी उन्मुक्त गगन के

प्रश्नावली

<u>कविता से</u>

प्रश्न 1. हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते?

प्रश्न 2. पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी कौन-कौन सी इच्छाएं पूरी करना चाहते हैं?

प्रश्न 3. भाव स्पष्ट कीजिए या तो क्षितिज मिलन बन जाता / या तनती साँसों की डोरी।

<u>कविता से आगे</u>

प्रश्न 1. बहुत से लोग पक्षी पालते हैं

(क) पक्षियों को पालना उचित है अथवा नहीं? अपने विचार लिखिए।

(ख) क्या आपने या आपकी जानकारी में किसी ने कभी कोई पक्षी पाला है?

उसकी देखरेख किस प्रकार की जाती होगी, लिखिए।

प्रश्न 2. पक्षियों को पिंजरे में बंद करने से केवल उनकी आज़ादी का हनन ही नहीं होता, अपितु पर्यावरण भी प्रभावित होता है। इस विषय पर दस पक्तियों में अपने विचार लिखिए।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1. क्या आपको लगता है कि मानव की वर्तमान जीवन-शैली और शहरीकरण से जुड़ी योजनाएँ पक्षियों के लिए घातक हैं? पक्षियों से रहित वातावरण में अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। इन समस्याओं से बचने के लिए हमें क्या करना चाहिए? उक्त विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कीजिए।

प्रश्न 2. यदि आपके घर के किसी स्थान पर किसी पक्षी ने अपना आवास बनाया है और किसी कारणवश आपको अपना घर बदलना पड़ रहा है तो आप उस पक्षी के लिए किस तरह के प्रबंध करना आवश्यक समझेंगे? लिखिए।

भाषा की बात

प्रश्न 1. स्वर्ण-शृंखला और लाल किरण-सी में रेखांकित शब्द गुणवाचक विशेषण हैं। कविता से ढूँढ़कर इस प्रकार के तीन और उदाहरण लिखिए।

प्रश्न 2. 'भूखे-प्यासे' में द्वंद्व समास है। इन दोनों शब्दों के बीच लगे चिह्न को सामासिक चिह्न (-) कहते हैं। इस चिह्न से 'और' का संकेत मिलता है, जैसे भूखे-प्यासे-भूखे और प्यासे।इस प्रकार के दस अन्य उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर

<u>कविता से</u>

उत्तर 1- पंछियों की विशिष्टता होती है कि वे उड़ सकते है। पिंजरे में हर सुख सुविधा मिलती तो है लेकिन उड़ने की आज़ादी नहीं मिलती। और पंछिया आज़ाद उड़ना चाहती है नदी की शीतल पानी पीना चाहती है, क्षितिज से मिलना चाहती है। इस प्रकार की उड़ान उनमें नई उमंग व प्रसन्नता भर देती है, जो पिंजरे की सुख-सुविधाएँ नहीं दे सकती है, इसीलिए हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते ।

उत्तर 2- पंछियाँ उन्मुक्त रहकर बहती नदी और झरने की शीतल पानी पीना चाहते है, नीम के पैर की कड़वी निबैरिया खाना चाहता है, प्रकृति के सुन्दर रूप के आनन्द लेना चाहते है, और अपने गति से खुले आसमान में आज़ाद उड़ना चाहते है, पेड़ की ऊँची टहनियों पर झूलना चाहते है और आज़ाद उड़कर आसमान के अनार जैसे तारों को चुगना चाहते है, और क्षितिज से मिलना चाहती है।

उत्तर 3- क्षितिज का मतलब होता है जहाँ धरती आसमान से मिलती है, यहाँ कवि पंछियो के माध्यम से कहना चाहते है कि अगर वो आज़ाद पंछी होते तो क्षितिज से मिल जाना चाहते है वरना चाहते है कि उनका प्राणान्त हो जाये। पंछिया भी क्षितिज से मिलना चाहती है, फिर चाहे उन्हें किसी भी स्थिति का सामना करना पड़े।

कविता से आगे

उत्तर 1-

(क)हमारे हिसाब से पक्षियों को पालना उचित नहीं। क्योंकि पिंजरे में पंछियों को उड़ने आज़ादी नही मिलता, उनके क्षितिज से मिलने का सपना छीन लिया जाता है। पिंजरे भले ही पंछियो का अच्छा खयाल रख्खा जाता है और सभी जरुरतो को पूरा किया जाता है लेकिन उड़ान उनमें जो उमंग व प्रसन्नता भर देती है, वो पिंजरे की सुख-सुविधाएँ नहीं दे सकती है।

(ख)मेरे भाई ने एकबार एक टिया पाला था, जो उसने मेले से ख़रीदा था। घरके सभी सदस्य उस तोते की अच्छे से खयाल रखते थे उसको एक कटोरे में पानी और दूसरे में पानी दिया जाता था और उसका पिंजरा साफ़ रक्खा जाता था।

उत्तर 2- पक्षियों को पिंजरे में बंद करने से केवल उनकी आज़ादी का हनन ही नहीं होता, अपितु पर्यावरण भी प्रभावित होता है। पंछियों का प्रकृति है उड़ना और पंछी हमारे परिबेश की खाद्यश्रृंखल का एक हिस्सा है। पंछिया छोटे छोटे कीड़ो को खाती है जिससे उनका संख्या नियमित होता है, अगर पंछिया न हो तो इस कीड़ो की संख्या बढ़ जायेगा जो हमारे फसल को नुकसान पौछा सकते है।

अनुमान और कल्पना

उत्तर 1- मानव की वर्तमान जीवन-शैली और शहरीकरण से जुड़ी योजनाएँ पक्षियों के लिए घातक हैं। मानब अपने बास करने के लिए ईमारत बनाते जा रहे है जिसके लिए पैर काटना पर रहा है और ऐसे ही जंगल काम होते

जा रहे है, और जंगल ही पंछियो का एकमात्र बासस्थान है। और इंसान द्वारा बनाये गए फैक्टरी द्वारा परिबेश की बायु और पानी प्रदूषित हो रहा है, जो पंछियो के लिए हानिकारक है। और जंगल काम होने से पंछियो के खाने का फल कम मिलने लगा है।

इन समस्याओं से बचने के लिए हमे ज्यादा से ज्यादा पैर लगाने चाहिए जिनमें पंछिया रह सके और उनके कहने की कमी न हो और पंछियो का शिकार बांध करना होगा।

उत्तर 2- यदि हमारे घर के किसी स्थान पर किसी पक्षी ने अपना आवास बनाया है और किसी कारणवश आपको अपना घर बदलना पड़ रहा है तो बड़ो से हम अनुरोध करेंगे की उस घोसले के अंडों को कोई ना छेड़ सके उसका बंदोबश्त करे। और उस अंडों से निकले बच्चे जब तक उड़ना न सिख जाये तबतक हम उसका धियान रखेंगे।

भाषा की बात

उत्तर 1- i. उन्मुक्त-गगन

ii. तारक-अनार

iii. पुलकित-पंख

उत्तर 2- (i.) सुख- दुख

(ii)धूप-छाँव

(iii)खाते-पीते

(iv)रात-दिन

(v)हँसते-गाते

(vii)दाल-रोटी

(viii)अन्न-जल

(ix)सुबह-शाम

(x) तन-मन